मुख्यमंत्री ने इंद्रगढ़ में राम जल सेतु लिंक के चंबल एक्वाडक्ट का निरीक्षण किया

उन्होंने टोडा भीम में किसान सम्मेलन को संबोधित किया व पुष्कर में गायत्री महायज्ञ में भाग लिया

कोटा/करौली/पुष्कर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील स्थित गुहाटा गांव पहुंचकर राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें, राम जल सेतु लिंक परियोजना में निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ हों और निर्धारित समयावधि में पूरे हों।**

तथा प्रदेश की लगभग 40 फीसदी आबादी इससे लाभान्वित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो।

अधिकारियों ने बताया कि चम्बल एक्वाडक्ट कोटा के पीपल्दा समेल गांव तथा बूंदी के गुहाटा गांव के मध्य चम्बल नदी पर बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 2 हजार 280 मीटर है। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि एक्वाडक्ट का निर्माण 5060 पाइलों एवं 77 पाइल कैपों पर किया जाएगा। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, संभागीय आयुक्त कोटा अनिल कुमार अग्रवाल, जिला कलेक्टर कोटा पीयूष समारिया, राजस्थान वाटर ग्रिड कॉर्पोरेशन लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य अभियंता रवि सोलंकी सहित परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी में राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को करौली जिले में टोडाभीम के नांगल शेरपुर गांव में किसान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने दो महत्वपूर्ण मार्गों करीरी-गाजीपुर-भैरोजी से राजौर वाया मेरेडा-खेडी जैचडी-माचडी और पथवारी से घासीराम बाबा आश्रम कदम खुण्डी वाया मातासूला-पाडली खुर्द सड़क निर्माण करने की एवं नांगल शेरपुर तहसील बालघाट में राजकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार ने नकली खाद बीज का काम करने वालों पर कठोर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को ही पुष्कर में गायत्री महायज्ञ में दर्शन-पूजा की और यज्ञा चार्य प्रखर महाराज से मिले। इस दौरान भजन लाल शर्मा के साथ उनकी धर्मपत्नी एवं पुत्र भी थे।

तेहरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साक्षात्कारों में यह संकेत मिलता है कि कई लोग बातचीत, न कि संघर्ष, को आगे बढ़ने का मार्ग मानते हैं।

हाल की रिपोर्टों में आर्थिक अस्थिरता और बेचैनी की व्यापक भावना भी सामने आई है, जिसमें बढ़ती कीमतें, बेरोजगारी और बुनियादी ढांचे की क्षति सरकार पर दबाव बढ़ा रही हैं और जनता की स्थायी शांति की इच्छा को मजबूत कर रही हैं।

सारांश में, आज का तेहरान एक ऐसे शहर का प्रतीक है, जो राहत तो महसूस कर रहा है, लेकिन आश्वस्त नहीं है, आशावादी है, लेकिन सतर्क भी। संघर्षविराम ने थोड़ी राहत दी है, लेकिन अधिकांश नागरिकों के लिए यह अभी तक भरोसे में बदल नहीं पाया है। प्रमुख भावना स्पष्ट है: शांति स्वागत योग्य है, लेकिन केवल तभी, जब यह स्थायी साबित हो, और यह अभी भी अनसुलझा सवाल है।

पाक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया और एक्स पर लिखा "प्रधानमंत्री शरीफ के भाईचारे वाले अनुरोध और अमेरिका द्वारा अपने 15-बिंदु प्रस्ताव के आधार पर वार्ता के अनुरोध, साथ ही पीओटीयूएस द्वारा ईरान के 10-बिंदु प्रस्ताव के सामान्य ढांचे को वार्ता के आधार के रूप में स्वीकार करने की घोषणा के संदर्भ में, मैं ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से घोषणा करता हूँ: यदि ईरान पर हमले रोके जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएँ अपनी रक्षात्मक कार्रवाहियाँ बंद कर देंगी।"

जयपुर मैट्रो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिफाइनरी राजस्थान सहित देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को सुदृढ़ करेगी। इससे प्रदेश की औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

'दो हाथियों की लडाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शाम को स्कूल की ओर से किसी ने फोन करके कुछ अभिभावकों को स्थायी तौर पर स्कूल बंद होने की सूचना दे दी। इस पर बुधवार को करीब 50-60 अभिभावक अपने बच्चों के साथ स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से मुलाकात की। इस पर प्रिंसिपल की ओर से कहा गया कि स्कूल बिल्डिंग के मालिक विनय चौरडिया के साथ स्कूल प्रबंधन राजेश भाटिया का जमीनी विवाद पिछले कई सालों से चल रहा है, जिसमें कुछ समझौता होने की बात सामने आयी है। इस पर अभिभावक आग बबूला हो गए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर स्कूल बंद ही करना था तो बच्चों का भविष्य क्यों खराब किया जा रहा है। सत्र 2026-27 शुरू करके 4-5 दिन पहले बच्चों से 60-65 हजार रुपए फीस एडवांस क्यों वसूली गई? इस पर घबराए प्रिंसिपल ने पहले तो अभिभावकों को फीस रिफंड करने का वादा किया, लेकिन जब अभिभावकों ने मौके पर मीडिया को बुला लिया तो उन्होंने गुरूवार से नियमित स्कूल संचालित होने की बातें कहकर पुनः झांसा देने की कोशिश की।

इसी बीच मामला गरमाया तो स्कूल शिक्षा विभाग से मनोज अग्निहोत्री तथा सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा भी मौके पर पहुंचे। अग्निहोत्री ने स्कूल प्रिंसिपल से दो टूक शब्दों में कहा कि स्कूल बंद किए जाने की हमें कोई सूचना नहीं दी गई है। अगर अचानक स्कूल बंद कर दोगे तो आर.टी.ई. में जिन 44 बच्चों को यहां दाखिला मिला है, उनके भविष्य का क्या होगा? ऐसे अचानक स्कूल बंद नहीं किया जा सकता, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट शिक्षा विभाग को दी जाए, इसके बाद 1-2 दिन में कमेटी बनाकर इसका फैसला लेंगे।

वहीं विधायक गोपाल शर्मा ने अभिभावकों से बातचीत में कहा कि स्कूल बंद नहीं होगा और बच्चे इसी स्कूल में पढ़ेंगे। स्कूल को बीच सैशन में बंद नहीं किया जा सकता। अगर किसी ने स्कूल बीच में बंद करके भागने की कोशिश तो उन डायरेक्टर्स को गिरफ्तार किया जायेगा। वर्तमान में स्कूल के बाहर भारी पुलिस बल व अग्निशमन टीम तैनात है, किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

स्कूल बिल्डिंग मालिक विनय चौरडिया ने बुधवार शाम को अपने ऑफिस में कुछ अभिभावकों से बात की और कहा कि मैं इस जमीन का मालिक हूं और मुझे मेरे किराये से मतलब है, तथा पिछले 4 साल से करीब 4.21 करोड़ रुपए बकाया चल रहे हैं। इस पर एक अभिभावक पवन शर्मा ने नाराज होते हुए कहा कि, "आप दोनों हाथियों की लडाई में अभिभावक और बच्चे क्यों पिसें?" उन्होंने पूछा कि आप दोनों के बीच समझौता क्या कोर्ट के आदेश पर हुआ है? जिस पर चौरडिया ने कहा कि वर्ष 2024 में मैंने कोर्ट में याचिका दायर की थी, फिलहाल यह मामला राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले कोर्ट में लंबे समय तक खिंचते हैं, इसलिए हमने कोर्ट के बाहर ही समझौता कर लिया। राजेश भाटिया ने बाकायादा अपने शिक्षकों को 2-2 महीने की एडवांस तनख्वाह देकर स्कूल बंद करने का निर्णय लिया और हमें स्कूल का कब्जा सौंपा। ऐसे में यह कहना बेमानी होगा कि स्कूल के अध्यापकों और प्रिंसिपल को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। चौरडिया ने अभिभावकों को यहां तक कह दिया कि, पोद्दार स्कूल में मेरी पार्टनरशिप हैं, ऐसे में जो बच्चे वहां पढ़ना चाहें, एडमिशन ले सकते हैं। ऐसे में कुछ अभिभावकों ने कहा कि यह स्कूल 8 किलोमीटर है, आप उसी स्कूल को यहां संचालित क्यों नहीं कर लेते। इस पर उन्होंने साफ इनकार कर दिया।

पुरानी संस्कृति व सभ्यता ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं थी। ईरान ने अब दो हफ्तों के लिए संघर्षविराम स्वीकार कर लिया है। लेकिन उसने वह हासिल कर लिया, जिसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति लड़ रहे थे- होर्मुज़ स्ट्रेट खोलना। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने इसे पार करने वाले हर जहाज पर 2 मिलियन डॉलर शुल्क लगाने का अधिकार भी प्राप्त कर लिया।

जब युद्ध शुरू हुआ था, तब होर्मुज़ ईरान के अधिकार में नहीं था। अब डॉनल्ड ट्रम्प ने होर्मुज़ स्ट्रेट ईरान को सीधे सौंप दिया है। यह विश्व के लिए एक बड़ा संकट है। किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग पर किसी तटवर्ती राज्य ने इस तरह से अधिकार नहीं किया, जैसा अब ईरान ने किया है। ईरान ने इसे नियंत्रित करने का दावा किया है।

फिर भी, डॉनल्ड ट्रम्प ने "संपूर्ण एवं समग्र" जीत का दावा किया है। ट्रंप के दावे की असलियत दुनिया के सामने स्पष्ट है, और अब किसी को भी अमेरिकी सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लिए भरोसा नहीं होगा।

दुनिया पूरी तरह ट्रम्प की अतिशयोक्ति से भरी बयानबाजी को देख रही है। जहाँ लगभग सभी देशों ने संघर्षविराम का स्वागत किया, वहीं, सब ने यह भी कहा कि होर्मुज़ को स्वतंत्र, अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग के रूप में खुला रखना आवश्यक है। ऐसा मानना है कि अचानक युद्ध और उसके बाद अचानक संघर्षविराम ने दुनिया को पहले से भी बदतर स्थिति के हवाले कर दिया है।

इसके अलावा, ईरान ने दस बिंदु वाली शांति योजना प्रस्तुत की है, जिसमें युद्ध से हुए नुकसान की पुनर्निर्माण राशि का भुगतान शामिल है। इसके साथ ही, उसने अपने संरक्षित समूहों पर हमलों को पूरी तरह रोकने की मांग की है, जैसे लेबनान में हिज़्बुल्लाह या यमन में हूती और अन्य।

जब अमेरिका ने युद्ध शुरू किया था, तब मुख्य उद्देश्य ईरान में शासन परिवर्तन का था। अब युद्ध के बाद और संघर्षविराम के दौरान, शासन देश और जनता के हाथ में बना हुआ है। शासन परिवर्तन का उद्देश्य स्पष्ट रूप से विफल रहा है।

इस शासन ने सत्ता बनाए रखने के लिए जनता के आंदोलन को बेरहमी से दबाया था, जिसमें कई हजार युवा प्रदर्शनकारियों की हत्या की गई। इस संघर्षविराम के साथ, ये तत्व फिर से सक्रिय हो गए हैं और भविष्य में और प्रदर्शनकारियों को दंडित कर सकते हैं।

यह ईरानी जनता के लिए एक बड़ा नुकसान है। युद्ध से पहले, वे अभी भी उम्मीद कर रहे थे कि बिगड़ती आर्थिक स्थिति और प्रतिबंधों के तहत शासन की कमज़ोरी के कारण समय आने पर शासन गिर जाएगा और ईरान फिर से स्वतंत्र देश बन जाएगा।

अब, जब ईरान ने संघर्षविराम स्वीकार कर लिया है, वह पुनर्निर्माण के लिए भुगतान की मांग कर रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि पुनर्निमाण के लिए इतनी बड़ी राशि कौन देगा। लेकिन ईरान के दृष्टिकोण से, यह स्पष्ट रूप से आक्रांता का कर्तव्य होगा।

मोजतबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मारे गए। इसके साथ ही ईरानी अधिकारी यह कहते हैं कि वे "अभी भी सत्ता संभाल रहे हैं।"

ईरानी अधिकारियों ने मोजतबा को युद्ध कक्ष की ओर दृढ़ता से चलते हुए दिखाने वाला एक एआई-सृजित वीडियो भी जारी किया था। हालांकि, इसने उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलों को शांत करने में ज्यादा मदद नहीं की है।

सुनेत्रा पवार दिल्ली पहुंची

- **राहुल गांधी से मुलाकात करेंगी बारामती से होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को हटाने का आग्रह करेगी।**

मुंबई, 08 अप्रैल। महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर, राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं. चुनाव निर्विरोध कराने की कोशिशें चल रही हैं. इस बीच एनसीपी (एपी) की उम्मीदवार व उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार दिल्ली पहुंच गई हैं।

चर्चा है कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करेंगी और उनसे निर्विरोध चुनाव को लेकर चर्चा करेंगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद बारामती सीट पर उपचुनाव कराए जा रहे हैं। इस उपचुनाव में सुनेत्रा पवार सहित 52 उम्मीदवार मैदान में हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार ने भी नामांकन भरा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908